



42 किलो भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



RNI: UPHIN/2021/84200

वर्ष: 2 अंक: 07 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) मंगलवार 17 अक्टूबर 2023

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

मार्दी परीक्षा न लें... इरान को इजरायल की धमकी दुनिया का स्पोर्ट मांगकर बोले नेतन्याहू- यह युद्ध आपका भी युद्ध है

PM सुपर स्पेशिएलिटी हास्पिटल की दृश्य सकते हैं नींव, बेहतर होगी चिकित्सा सुविधा

तेल अवीव. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इरान और हिजबुल्ला को चेतावनी देते हुए कहा कि वे उत्तर में 'हमारी परीक्षा' नहीं लें. नेतन्याहू ने सोमवार को इजरायली संसद 'नेसेट' में दिए बाषण में कहा कि हमास परीक्षा को एकजुट होने की ज़रूरत है. उन्होंने कहा, "यह युद्ध आपका भी युद्ध है."



बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा पट्टी में हमास आतंकवादी समूहों के खिलाफ इजरायल का चल रहा युद्ध अंधेरे की ताकतों के खिलाफ अस्तित्व की लड़ाई है. उन्होंने नेसेट (इजरायली संसद) के शीतकालीन सत्र के उद्घाटन सत्र में कहा, "75 साल बीते जाने के बाद भी, स्वतंत्रता का युद्ध समाप्त नहीं हुआ है."

बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ विश्व एकता का आह्वान किया और कहा, "हमास युद्ध आपका युद्ध है. यदि हम पूरी तरह से एकजुट नहीं हुए, तो यह कल आपके साथ होगा." नेतन्याहू ने कहा, "हम

दिया.

पौएम बेंजामिन ने फिर से दोहराया कि "हमास परीक्षा भी, उसे सोमवार से उखाड़ के कंकन हमारा लक्ष्य है." आतंकवादी समूह हमास द्वारा बोते 7 अक्टूबर को हमला करने के बाद से अब तक इजरायल के 1300 से अधिक लोगों की हत्या की जा चुकी है और 4000 के करीब घायल हैं, जबकि लगभग 200 बंधकों का अपहरण करके उन्हें गाजा पट्टी में कैद रखा गया है.

दुसरी ओर, हमास-नियंत्रित क्षेत्र में स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में मौतें बढ़कर 2,670 हो गई हैं, जबकि 9,600 से अधिक घायल हुए हैं. मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में गाजा में 455 लोगों की मौत और 856 लोगों के घायल होने की खबर है.



समाज जागरण वाराणसी ब्लूरो

सुपर स्पेशिएलिटी हास्पिटल के लिए करीब 388 करोड़ का सुपर स्पेशिएलिटी हास्पिटल का वाराणसी। प्रधानमंत्री नेरेंद्र मोदी चार नवंबर को काशी आ सकते हैं। उस दौरान पीएम अपने संसदीय क्षेत्र काशी में सुपर मल्टी स्पेशिएलिटी हास्पिटल की आधारशिला रख सकते हैं। सुपर मल्टीस्पेशिएलिटी अस्पताल बनने से वाराणसी में चिकित्सा सुविधा और सुधार होगी। शासन ने मल्टी अंकोलाजी, नेफ्रोलाजिस्ट, हृदय तैयार होने की योजना है।

रोग, गैस्ट्रोलाजी समेत अन्य मरीजों को बीएचयू रेफर करना पड़ता है। इस बाबत सोएमओ डा. सदीप चौधरी ने बताया कि मंडलीय चिकित्सालय में बनने वाले सुपर मल्टी स्पेशिएलिटी हास्पिटल के लिए सभी जरूरी औपचारिकाएं पूरी हो गई हैं। डीपीआर की मंजूरी मिल गई है। तीन साल में अस्पताल के बनकर तैयार होने की योजना है।

एब जन्म से अपोध्या ने द्युषणी की लहू

वायणरामी : कैंट स्टेशन पर बना देश का सबसे लंबा फ्लाईओवर,

10 मीटर चौड़ा और 140 मीटर लंबा है फुट ओवरब्रिज

समाज जागरण वाराणसी ब्लूरो



नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मच्चने के दूसरे दिन मुख्य अतिथि मनोज गुप्ता जिला अध्यक्ष नोएडा भारतीय जनता पार्टी, अतिथि गणेश जाटव जिला महामंत्री, उमेश त्यागी जिला महामंत्री भाजपा एवं राजीव त्यागी भाजपा नेता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोप्यल एवं महासचिव मुनाकुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर और और अंगवस्त्र ओदाकर स्वागत किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रींगी ऋषि द्वारा शुभ पुरुष को मैषि किया। प्रथम दृश्य में राम और अन्य राक्षसों के अत्याचार से काराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक करने के हुए देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्री

स्थिरास्त में बगावत एक स्थानाधिक प्रक्रिया

दैनिक समाज जागरण

पांच राज्यों के लिए विधानसभा चुनावों के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के साथ ही सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में बगावत के स्वर सुनाई देते हैं। इसे लेकर नुकायारी करने का कोई अर्थ नहीं है। चुनावों के समय की जाने वाली बगावतों का बहुत आशंक असर होता है, लेकिन यदि बगावत संगठित रूप से होती है तो राजनीतिक परिवर्ष बदलने में ज्यादा देर नहीं लगती। बावजूद इसके कुछ बगावतों भी वारूद की तरह फुस्स होकर रह जाती है।

बगावतों का इतिहास हर राज्य में है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक। बगावत का अवसर अक्सर चलती है कि नु आंधी में यदा - कदा तब्दील हो जाती है। बगावत जब आंधी में तब्दील होती है, तब

अनेक अवसरों पर राजनीतिक दलों का विभाजन भी होता है। सबसे ज्यादा विभाजन का दंश काग्रेस ने सहा है। भाजपा में भी अनेक विभाजन हुए, लेकिन भाजपा छोड़कर जिन नेताओं ने भी अपने दल बनाये वे ज्यादा दिन अपना वजूद बचाकर नहीं रख सके। वामपंथी दलों में भी एक -दो अवसरों पर बगावत हुई, समाजवादी भी इस बीमारी के पुराने रोगी है।

सियासत में बगावत का पुराना इतिहास है, फिलहाल बात करते हैं

मप, राजस्थान

,छीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम की, क्योंकि इन्हीं राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। मिजोरम विधानसभा के चुनावों को लेकर भाजपा और काग्रेस ज्यादा गंभीर नहीं है। मिजोरम विधानसभा के चुनाव एक छोटी-मोटी नार नियम के चुनाव जैसे है। परिष जिजरम में भाजपा का कुछ ही भी नहीं और हाल की मणिपुर की बाटना ने भाजपा के लिए बच्ची-खुच्ची गुंजाई भी समाप्त शह दी है। कमेंशु यही दशा भाजपा की तेलंगाना में है।

हालांकि तेलंगाना में भाजपा ने थोड़ी-बहुत उछलकूँद की भी। चुनावों की औपचारिक घोषणा के पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और अमित शह तेलंगाना जाकर केसीआर को हड़का कर भी आये, किन्तु बात बनी नहीं। तेलंगाना में मुकाबला काग्रेस और मोदीजूदा सत्तारूढ़ दल के साथ है।

इसलिए यहां बगावत की कोई समस्या नहीं है।

भाजपा का पूरा ध्यान मध्यप्रदेश, राजस्थान और छीसगढ़ पर है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की मोटी-शा जोड़ी पूरा कसबल लगा रही है। इन

तीनों राज्यों में भाजपा विधानसभा चुनावों की औपचारिक घोषणा के पहले ही भसकना [दरकना] शुरू हो गयी थी। मध्यप्रदेश में तो भाजपा में सबसे जायदा बगावत हुई। विधायक से लेकर स्थानीय स्तर के नेता तक भाजपा छोड़कर काग्रेस में शामिल हो गये। पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक जोशी से शुरू हुई वे बगत आज भी जारी है। भाजपा प्रत्याशियों की हर नई सूची बगावत की खबर लेकर आती है लेकिन भाजपा की बगावत का स्वरूप असंगठित है इसलिए पार्टी में विभाजन का तो कोई खतरा नहीं है किन्तु इस बगावत की खबर हो रही है।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

काग्रेस ने चुनाव चाहते हैं।

काग्रेस के इसलिए

भाजपा ने मध्य प्रदेश में जिन तीन केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव को विधानसभा चुनाव में उत्तरा है वे सब बेमान से चुनाव लड़ रहे हैं। ये दसों नेता चुनाव को खिलाफ हुमान को उत्तरों का फैसला शिवराज, अपने बच्चों को सोच-समझकर ही किया है।

काग्रेस ने एवरिवरवाद के आरोप की परवाह किये बिना एक ही परवार के दो-लोगों को टिकिट दिया। राजस्थान में भी भाजपा के समान बगावत एक गंभीर समस्या है। यहां पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती [श्रीमती भी] बुंधारा राजे भाजपा के लिए सबसे बड़ी समस्या है। भाजपा बुंधारा राजे से छुटकारा को सत्ता तक पहुंचाया था, उसी में एक बार फिर बगावत सबसे ज्यादा हुई है और असंतोष की महीन स्वर तो अब भी सुनाई दे रहे हैं।

भाजपा के पिरु पुरुष और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेही के भाजपा में अनुप मिश्रा को टिकिट नहीं है। जिस चबल-वालियर अपना वजूद बचाकर नहीं रख सके। वामपंथी दलों में भी एक -दो अवसरों पर बगावत हुई, समाजवादी भी इस बीमारी के पुराने रोगी है।

सियासत में बगावत का पुराना इतिहास है, फिलहाल बात करते हैं

मप, राजस्थान

,छीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम की, क्योंकि इन्हीं राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। मिजोरम विधानसभा के चुनावों को लेकर भाजपा और काग्रेस ज्यादा गंभीर नहीं है। मिजोरम विधानसभा के चुनाव एक छोटी-मोटी नार नियम के चुनाव जैसे है। परिष जिजरम में भाजपा का कुछ ही भी नहीं और हाल की मणिपुर की बाटना ने भाजपा के लिए बच्ची-खुच्ची गुंजाई भी समाप्त शह दी है।

यहां बगावत का पुराना इतिहास है, फिलहाल बात करते हैं

मप, राजस्थान

,छीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम की इन्हीं राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। मिजोरम विधानसभा के चुनावों को लेकर भाजपा नहीं और हाल की मणिपुर की बाटना ने भाजपा के लिए बच्ची-खुच्ची गुंजाई भी समाप्त शह दी है।

यहां बगावत का पुराना इतिहास है, फिलहाल बात करते हैं

मप, राजस्थान

,छीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम की इन्हीं राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। मिजोरम विधानसभा के चुनावों को लेकर भाजपा नहीं और हाल की मणिपुर की बाटना ने भाजपा के लिए बच्ची-खुच्ची गुंजाई भी समाप्त शह दी है।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

काग्रेस के इसलिए

भाजपा का चुनाव चाहते हैं।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

काग्रेस के इसलिए

भाजपा का चुनाव चाहते हैं।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद काग्रेस की फैसला करने में आसानी हुई।

भाजपा की चार सूचियों आने के बाद

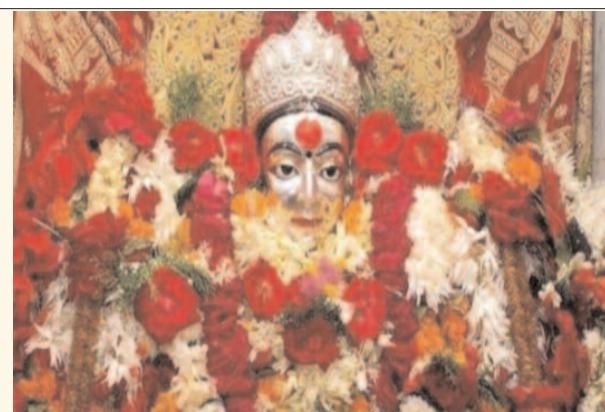
नपथ्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी का होता है दर्शन पूजन

समाज जागरण वाराणसी ब्लूरे

काशी में है मां ब्रह्मचारिणी का मंदिर, करती हैं हर मनोकामना पूरी मां ब्रह्मचारिणी का मंदिर बहुत खास है। जानिए क्यों...

मां ब्रह्मचारिणी का मंदिर काशी के सप्तसागर (कर्णधार) क्षेत्र में स्थित है। दुर्गा की पूजा के त्रय में ब्रह्मचारिणी देवी का दर्शन-पूजन बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।

सुबह से ही लग जाती है भीड़ काशी के गंगा किनारे बालाजी घाट पर स्थित मां ब्रह्मचारिणी के मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है। श्रद्धालु लाइन में लगकर मां का दर्शन प्राप्त करते हैं। श्रद्धालु मां के इस स्पृह का दर्शन करने के लिए नारियल, चुरी, माला-फूल आदि लेकर श्रद्धा-भक्ति के साथ अपनी बारी आने का इंतजार करते हैं।



मां के दर्शन करने से मिलती है परब्रह्म की प्राप्ति

हर मनोकामना होती है पूरी यहां ना सिफ काशी बल्कि अन्य जितें से भी लोग दर्शन एवं पूजन के लिए आते हैं। नवरात्रि पर तो इस मरिय में लाखों भक्त मां के दर्शन करने के लिए आते हैं। ऐसी मानवता के इस रूप की आराधना करता है कि मां के इस रूप का दर्शन करने वालों को सोना सुख मिलता है। साथ ही, मां के दर्शन मात्र से श्रद्धालु को यश और कर्तिप्राप होती है।

नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में नगर निगम प्रवर्तन दल द्वाय चला अतिक्रमण अभियान

समाज जागरण वाराणसी ब्लूरे
1. शिव पुराव स्थित जय प्रकाश नगर कालोनी से प्राप्त शिकायत (गली के मार्ग में अवैध रूप से गेट लगा कर मार्ग अवरुद्ध करने के सम्बन्ध में) के निस्तराजा हेतु अतिक्रमण निरीक्षक संज्ञय श्रीवातव के साथ मोक्ष पर पहुंच गली के मार्ग में अवैध रूप से लगाए गए गेट को घटकर करवा दिया गया।

2. सम्प्रदायिक में जोनल अधिकारी दराशव सेवा में जान संजय तिवारी द्वारा अप्रतिष्ठित शिकायत पत्र (राम कटोरा स्थित पार्क के चारबीवारी के साथ अतिक्रमण किए जाने के सम्बन्ध में) को निस्तराजा करते हुए मोक्ष पर पहुंच गली के मार्ग में अवैध रूप से बनाई गई खुगी खुलावा कर अतिक्रमित सामान हटवा कर दिया गया साथ ही लगभग 01 गाड़ी अतिक्रमित सामान जब्त भी कर दिया गया।

3. अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार द्वारा प्राप्त निर्देश (चेतावनी हवायापुरा से प्राप्त शिकायत दो मकान के बीच में संयुक्त गली में अतिक्रमण के सम्बन्ध में) को निस्तराजा करते हुए मोक्ष पर पहुंच अवैध रूप से बनाई गई खुगी खुलावा कर अतिक्रमित सामान हटवा कर दिया गया साथ ही लगभग 01 गाड़ी अतिक्रमित सामान जब्त भी कर दिया गया।

4. बांस फाटक भंडारी गली से प्राप्त आइआरएस शिकायत (दुकान के समान गली में सामान खरकर अतिक्रमण करने के संबंध में) को निस्तराजा करते हुए मोक्ष पर पहुंच दुकानदार को 2000 रु. का जुमानी लगाया कर अतिक्रमित सामान हटवा कर मार्ग खाली करवा दिया गया।

5. कर अवैधक वरुण पाठर जोन श्री चन्द्रशेखर के उपर्याति में भोजबीर से मीरा पुर बसाई होते हुए चाँद मारी हस्त कला संकुल और अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करते हुए सघन अतिक्रमण अभियान चला गया और इलाके की सङ्कट और अपर पर्टी खाली करवाया गया। अभियान के दौरान कुछ अत्याधिक अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

6. कर अवैधक वरुण पाठर से प्राप्त आइआरएस शिकायत (दुकान के समान गली में सामान खरकर अतिक्रमण करने के संबंध में) को निस्तराजा करते हुए मोक्ष पर पहुंच दुकानदार को 2000 रु. का जुमानी लगाया कर अतिक्रमित सामान हटवा कर मार्ग खाली करवा दिया गया।

7. उपरोक्त पुरो अभियान के दौरान लगभग 02 गाड़ी अतिक्रमित सामान जब्त भी कुछ अत्याधिक अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

8. कुल जुमानी राशि रु. 3,900 मार्ग /-

क.), अतिक्रमण - रु. 3,700 /-

ख.) प्लास्टिक - रु. 200 /-



अर पटरी से हटा लें।

6. कमांड सेंटर से प्राप्त अॅनलाइन शिकायत (सरग मोहाना शमशान घाट पर लकड़ी रखकर अतिक्रमण के संबंध में) को निस्तराजा करते हुए मोक्ष पर पहुंच दुकानदार को 2000 रु. का जुमानी लगाया कर अतिक्रमित सामान हटवा कर मार्ग खाली करवा दिया गया।

7. कर अवैधक वरुण पाठर जोन श्री चन्द्रशेखर के उपर्याति में भोजबीर से मीरा पुर बसाई की सङ्कट और अपर पर्टी खाली करवा दिया गया। अभियान के दौरान कुछ अत्याधिक अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

8. कुल जुमानी राशि रु. 3,900 मार्ग /-

क.), अतिक्रमण - रु. 3,700 /-

ख.) प्लास्टिक - रु. 200 /-

95 बटालियन सीआयपीएफ, सूजन सामाजिक विकास न्यास एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान में आज अस्ती घाट पर चला अवैधता अभियान

समाज जागरण वाराणसी वाराणसी। विधायक सौरव कार्यक्रम में जवानों एवं सूजन सामाजिक विकास न्यास के सदस्यों तथा नगर निगम के सफाई कर्मियों के साथ जाहू लगाए हुए अगुवाई कर रहे थे एवं

सुनेद चौरौं पुलिस उपमहानीकरक रेज चंद्रालौ, कमांडेंट 95 बटालियन अनिल कुमार बुध के दिशा निर्देश में 95 बटालियन केंद्रीय पुलिस बल, सुजन सामाजिक विकास न्यास, नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान दो वाराणसी अवैधता अधिकारी द्वारा अप्रतिष्ठित शिकायत पत्र (राम कटोरा स्थित पार्क के चारबीवारी के साथ अतिक्रमण किए जाने के सम्बन्ध में) को निस्तराजा करते हुए पर्याप्त कराया गया।

अभियान के दौरान लगभग 02 गाड़ी अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

9. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

10. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

11. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

12. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

13. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

14. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

15. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

16. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

17. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

18. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

19. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

20. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

21. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

22. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

23. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

24. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

25. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

26. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

27. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

28. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

29. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

30. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

31. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों को जुमानी भी किया गया।

32. अपर पर चिंग रोड अंडर पास तक घोषणा करने वाले दुकानदारों

